53	देवे युगसक्स्रे द्वे ब्राक्तं कल्पा तु ती नृणाम्।	
54	मन्वतरं तु दिव्याना युगानामेकसप्तितः ॥ १६० ॥	38
55	कल्पा युगातः कल्पातः संकारः प्रलयः नयः।	
56	संवर्तः परिवर्तश्च समसुप्तिर्जिन्हानकः ॥ १६१ ॥	
57	तत्कालस्तु तदावं स्यात् । विकिशान् विकिशिनोक	
58	॥ ११११ ॥ जन्म तड्तां सादृष्टिकं फलम्।	24
59	म्रायतिस्तूत्तरः काल	
60	उर्दर्भस्तद्भवं पालम् ॥ १६२॥	
61		24
62		11 6
63	4 3 ,	
64		16.0
65		64
66		
67 68		17
69	वृद्यां वर्षणवर्षे वातास्तं वारि शोकरः ॥ १६५ ॥ व्या	Si
	अर. 38. Der 10te M. (* W.) - 39. Der 11te M. (3 W.)	
	37. 38. Der 10te M. (1 W.) 39. Den 11te M. (3 W.).	

53. 2000 juga's der Götter oder 2 kal pa's der Menschen bilden einen Tag und eine Nacht Brahma's. — 55. 71 juga's der Götter bilden ein manvantara. — 55. 56. Weltende (10 W.). — 57. Gegenwart (2 W.). — 58. Unmittelbare Vergeltung. — 59. Zukunft. — 60. Zukünftige Vergeltung. — 61. 62. Aether (20 W.). — 63. 64. Wolke (17 W.). — 65. Reihe von Wolken. — 66. Trüber Tag. — 67. Platzregen. — 68. Vom Winde getriebener Regen. — 69. Regen (3 W.). — 70. Dürre (2 W.).